

8/7/24 - कक्षा पञ्चावली निरुद्ध
काही क काही वल्लीक अरुण - जगात
मे काट-काट काकाप डिक काका
गाई वने ई भी उज्ज न ले हुका
अनिल काकाप काप 5-30 कासे
डिक काके पत्त भी काही क काही
वल्लीक उज्ज न ले हो ते पत्त
मुकपाड काका हापटी क काका
पत्त मे काका (1) डिजा काका
ह/पञ्चावली फलक मुक्ता हो
आ किक उक्ता हो

सहायक कलक्टर
अलवर